सांध्य दैनिक 4PM

मनुष्य को सिर्फ रोटी के लिए नहीं जीना चाहिए, बल्कि ईश्वर के मुख से निकले हुए हर शब्द के मुताबिक जीना चाहिए।
–जीसस क्राइस्ट

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 248 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 15 अक्टूबर, 2025

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम... 7 | पंजाब व बंगाल में बाढ़ पर नहीं... 3 | भाजपा समाज में नफरत फैला... 2

बदलने लगा है बिहार में राजनीतिक मौसम

टिकट बंटवारे में असंतोष की गूंज, जदयू में जूतमपैजार

» उपेन्द्र कुशवाहा, प्रशांत किशोर और चिराग पासवान के साथ जीतन राम मांझी के फंसे पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में सियासत का रंगमंच सज चुका है। टिकट वितरण और गठबंधन की चाशनी में उलझे बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार कि पटकथा पहले से कहीं ज्यादा उलझी, रोमांचक और विस्फोटक दिखायी दे रही है। हालांकि जदयू ने अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है और देर शाम तक कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची भी आ जाएगी।

बहारहाल एनडीए कुनबे में विद्रोह की चिंगारियां धधक रही हैं, जदयू के खेमे में खटपट यहां तक है कि सांसद टिकट वितरण से नाखुश होकर अपने इस्तीफे आलाकमान को भेज रहे हैं। हम पार्टी के जीतन राम मांझी की नाराजगी खुली किताब बन चुकी है। वहीं बीजेपी के अंदरूनी समीकरणों में भी अजीब सन्नाटा पसरा है। वहीं दूसरी ओर राजद और कांग्रेस ने इस बार मैदान में उतरने से पहले ही अपनी रणनीति के पत्ते खोलने शुरू कर दिए हैं। सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब प्रशांत किशोर जिन्होंने बिहार में राजनीतिक इंजीनियरिंग की बुनियाद रखी थी ने खुद को इस चुनावी अखाड़े से बाहर कर लिया है।

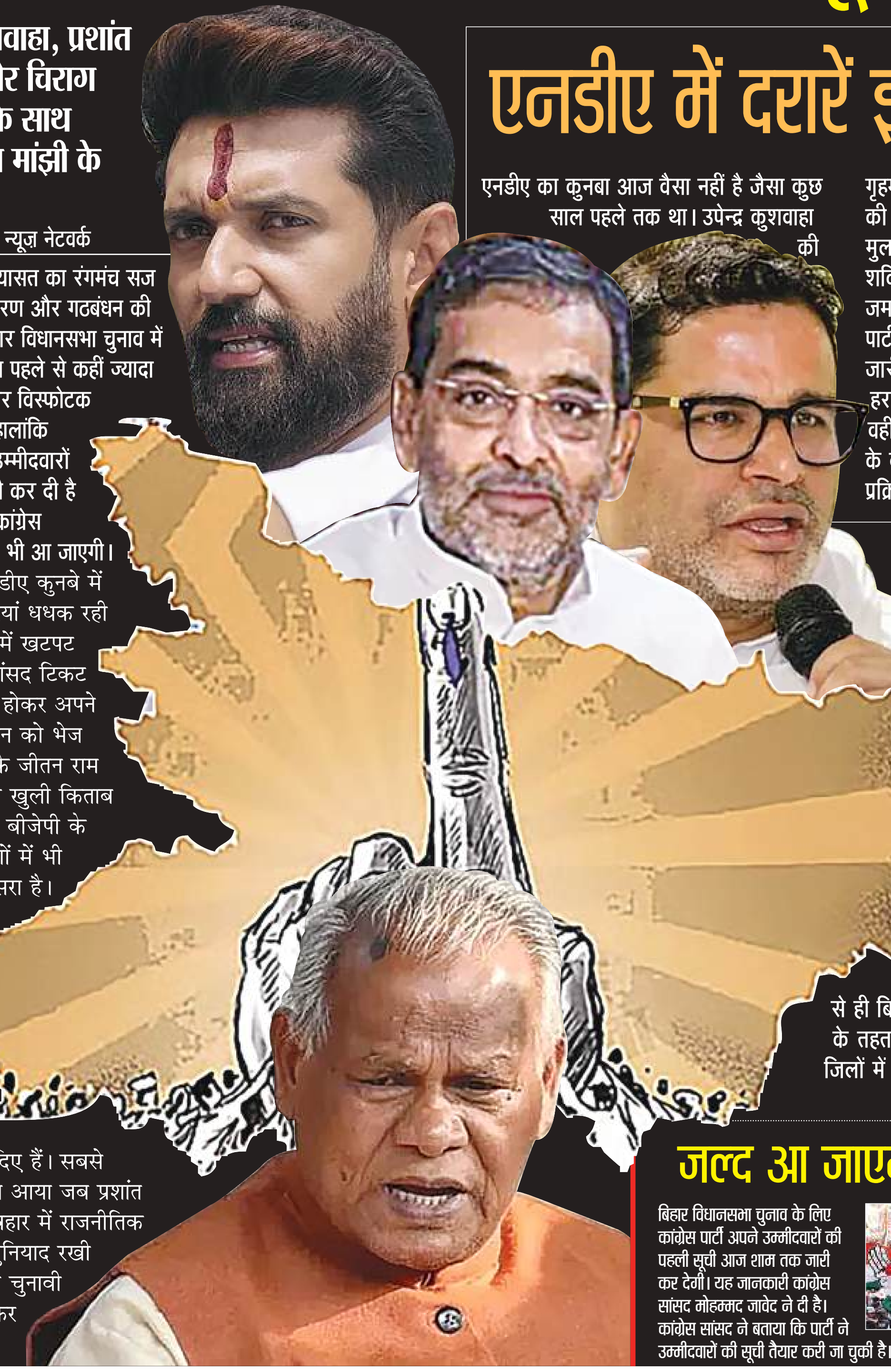

एनडीए में दरारें इतनी गहरी कि सिलाई बेअसर

एनडीए का कुनबा आज वैसा नहीं है जैसा कुछ साल पहले तक था। उपेन्द्र कुशवाहा की

गृहमंत्री अमित शाह से डेढ़ घंटे की बंद कमरे की बैठक ने सबके कान खड़े कर दिए हैं। यह मुलाकात ऐसे वक्त में हुई जब जदयू, लोक जन शक्ति और बीजेपी के बीच सीट बंटवारे पर जमकर तनातनी चल रही है। नीतीश कुमार की पार्टी ने अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है लेकिन भीतरघात और असंतोष हर पन्ने में दिख रहा है। नीतीश कुमार अब वही पुराने संयमी कप्तान नहीं रहे। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मानते हैं कि जदयू में निर्णय प्रक्रिया अब पूरी तरह से एकतरफा हो गई है।

यही कारण है कि कुछ सीटों पर जदयू और बीजेपी दोनों ही अपने अपने उम्मीदवार तैयार कर रही हैं यानी भीतर ही भीतर गठबंधन के जहाज में छेद बन रहे हैं। वहीं हम प्रमुख जीतन राम मांझी का गुस्सा खुलकर सामने आ गया है। मांझी ने कहा है कि टाइगर अभी जिंदा है जो दरअसल बीजेपी और जदयू दोनों को अप्रत्यक्ष चेतावनी है कि उन्हें हल्के में न लें। मांझी का यह बयान स्पष्ट संकेत है कि वह सीट बंटवारे और सम्मानजनक हिस्सेदारी को लेकर बेहद असंतुष्ट हैं।

प्रशांत किशोर ने मैदान छोड़ा

जब सब अपने अपने झंडे थामकर मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं तो प्रशांत किशोर ने यह घोषणा कर हलचल मचा दी कि वह खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे पर अपने प्रत्याशियों के लिए कैंपेन करेंगे। यह बयान जितना सरल दिखता है उतना ही गहरा भी है। प्रशांत किशोर की टीम पहले से ही बिहार के कई जिलों में जनसुराज अभियान के तहत सक्रिय है। उनके रणनीतिक दस्ते ने 15 जिलों में डाटा कलेक्शन और मतदाता प्रोफाइलिंग पूरी कर ली है।

जल्द आ जाएगी कांग्रेस की सूची

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवारों की पहली सूची आज शाम तक जारी कर देगी। यह जानकारी कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने दी है। कांग्रेस सांसद ने बताया कि पार्टी ने उम्मीदवारों की सूची तैयार करी जा चुकी है।

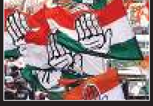

उन्होंने कहा कि किसी भी समय लिस्ट जारी कर दी जाएगी कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की दूसरी बैठक पर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा कि यह कांग्रेस की दूसरी बैठक थी। इस बैठक में भी लगभग 20 से 25 नामों को मंजूरी दी गई।

जदयू ने जारी कि पहली सूची असंतोष की लहर

बिहार प्रदेश जनता दल (यूनाईटेड)

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर जनता दल ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 57 विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है जिनमें पार्टी के कई कद्दावर नेता और मौजूदा मंत्री शामिल हैं। जेडीयू की पहली सूची में पार्टी ने मोकामा से बाहुबली नेता अनंत सिंह, सोनबरसा से मंत्री रत्नेश सदा, फुलवारी से श्याम रजक, राजगीर सीट से वर्तमान विधायक कौशल किशोर, हिलसा सीट से कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया को अपना उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा समाज में नफरत फैला रही: अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- भाजपा सरकार में जातीय उत्पीड़न चरम पर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा समाज में नफरत फैला रही है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों से प्रशासन की सांठगांठ है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य और शिक्षा सब कुछ बर्बाद है। भाजपा सरकार में जातीय उत्पीड़न और भेदभाव चरम पर है।

अखिलेश ने प्रदेश मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गोमती नदी समेत अन्य नदियों की दुर्दशा के लिए मुख्यमंत्री खुद जिम्मेदार है। इस सरकार ने नदियों की सफाई के लिए कोई काम नहीं किया। समाजवादी सरकार में हमने गोमती नदी पर सबसे सुंदर रिवर फ्रंट बनाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार तमाम फर्जी एनकाउंटर कर रही है, लेकिन उसके बाद भी कानून व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। अस्पतालों में डॉक्टरों की बड़े पैमाने पर कमी है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इलाज मुफ्त होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे।

देवा शरीफ दरगाह में सपा अध्यक्ष की ओर से चढ़ाई जाएगी चादर

बाराबंकी में सूफी संत हाजी वारिश अली शाह का देवां शरीफ में उर्स चल रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से उर्स के मौके पर दरगाह पर चादर पेश की जाएगी। अखिलेश यादव से चादर लेकर विधायक अताउर्रहमान समेत कई नेता रवाना हो गए हैं, जो उर्स में शरीक होंगे और हाजी शाह साहब की दरगाह पर चादर पेश करेंगे।

विधान परिषद चुनाव में सपा ने एक साथ साधे कई निशाने

सपा ने विधान परिषद की आगरा-अलीगढ़ शिक्षक सीट पर डॉ. प्रकाश चंद्र गुप्ता और मेरठ-गाजियाबाद शिक्षक सीट पर नितिन कुमार तोमर को उतारने की घोषणा की। बुद्धिजीवियों के इस चुनाव में सपा का फोकस अगड़ा-पिछड़ा समीकरण साधने पर है। अब तक ठाकुर, कायस्थ व बनिया जाति के नेताओं पर दांव लगाया जा चुका है। विधान परिषद के 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अगले साल चुनाव होने हैं। इन सीटों पर मतदाता सूची तैयार करने का काम चल रहा है। इसी बीच सपा ने मंगलवार को दो और प्रत्याशी उतारे। इससे पहले सपा छह और सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है। इनमें वाराणसी-मिर्जापुर शिक्षक सीट पर लाल बिहारी यादव, इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट पर डॉ. मान सिंह यादव और वाराणसी-मिर्जापुर स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा को मैदान में उतारा है। ये तीनों नेता वर्तमान में इन्हीं क्षेत्रों से विधान परिषद सदस्य हैं। इस तरह से यहां सपा ने पुराने चेहरों पर ही दांव लगाया। इसके अलावा गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर कमलेश यादव, लखनऊ स्नातक सीट पर पूर्व एमएलसी कांति सिंह और मेरठ-सहारनपुर स्नातक सीट पर प्रमेंद्र भाटी को उतारने की घोषणा की। इस तरह से देखें तो अब तक घोषित सपा के 8 प्रत्याशियों में सामान्य वर्ग के बनिया, ठाकुर व कायस्थ 1-1, ओबीसी में यादव 3, गुर्जर व कुर्मी 1-1 हैं। अब सभी की नजर शेष तीन सीटों पर सपा के प्रत्याशियों पर है। माना जा रहा है कि इन सीटों पर दलित व ब्राह्मण जाति के दावेदारों को मौका मिल सकता है।

बिना किसी लिखित आश्वासन के मैं सुरक्षा नहीं लूंगा: आजम

बोले- आर्थिक तंगी, 36 लाख का जुर्माना और गाड़ी भी नहीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने सीतापुर जेल से रिहाई के बाद वाई-स्तरीय सुरक्षा स्वीकार करने पर आशंका जताई और सरकार से लिखित आश्वासन मांगा कि उन्हें किस तरह की सुरक्षा प्रदान की जा रही है। खान ने बताया कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। मैंने कांस्टेबल से यह भी कहा कि जब तक मुझे लिखित आश्वासन नहीं मिलता कि मुझे सुरक्षा दी गई है, मैं इसे स्वीकार नहीं कर पाऊंगा।

सपा नेता ने कहा कि उन्हें सौंपी गई सुरक्षा की प्रामाणिकता पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे हालात ने मुझे कम से कम इतना तो सिखाया है कि सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्जा हुआ है जिसे सरकार ने हटा दिया है... ज़मीन का आवंटन सरकार ने किया था, लेकिन मुझे ही 21 साल की जेल और 36 लाख का जुर्माना मिला। जब तक मुझे लिखित आश्वासन नहीं मिलता कि सुरक्षा किसने दी है, मैं सुरक्षा कैसे ले सकता हूँ? मैं कैसे भरोसा कर सकता हूँ कि खाकीधारी, हथियारबंद लोग उत्तर प्रदेश सरकार के हैं? सपा नेता ने आगे दावा किया कि 36 लाख रुपये का जुर्माना लगने के बाद वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और सौंपी गई सुरक्षा के लिए गाड़ी भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि मेरी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि मैं अपनी सुरक्षा के लिए गाड़ी का इंतज़ाम कर सकूँ, इसलिए मैंने यह भी कहा है कि अगर आप सुरक्षा दे रहे हैं तो मेरे पास गाड़ी नहीं है। वाई सिक्योरिटी में गाड़ी, पेट्रोल, सब कुछ मुहैया कराने का प्रावधान है, जो मुझे नहीं दिया गया।

चार इंजनों वाली सरकार दिल्ली में नाकाम: केजरीवाल

बोले - आमजन छोड़िए, दिल्ली के पॉश मॉल पानी को तरसे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने हाल ही में हुए जल संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा, जिसके कारण दिल्ली के तीन सबसे महंगे मॉल लगभग ठप हो गए थे। आप ने एक तीखे ट्वीट में लिखा कि चार इंजनों वाली भाजपा सरकार दिल्ली के मॉल तक को पानी नहीं दे पा रही है। डीएलएफ और एम्बिएंस जैसे मॉल पानी के लिए तरस रहे हैं, तो आम दिल्लीवासी की क्या हालत होगी, इसकी कल्पना कीजिए।

भाजपा के डबल इंजन को तो भूल ही जाइए, यहाँ तो उनके चार इंजन भी फेल साबित हुए हैं।यह टिप्पणी दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में स्थित एम्बिएंस मॉल, डीएलएफ प्रोमेनेड और डीएलएफ एम्पोरियो में पानी की आपूर्ति में अभूतपूर्व व्यवधान के बाद आई है। धिकांश शौचालय बंद करने पड़े और रेस्टोरेंट का संचालन सीमित करना पड़ा, जबकि कुछ रेस्टोरेंट ने बुनियादी स्वच्छता के लिए पानी की कमी के कारण अपनी सेवाएँ पूरी तरह से बंद कर दीं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि मॉल में पानी की आपूर्ति आखिरकार सोमवार शाम को बहाल कर दी गई, जिससे दिवाली की खरीदारी की भीड़ से पहले एक बड़ा आर्थिक व्यवधान बाल-बाल टल गया।

आप पर भाजपा का पलटवार

इस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि 'आप' को इस बात से दुख हुआ होगा कि मुख्यमंत्री ने सैकड़ों महिलाओं के साथ त्योहार मनाया। पार्टी ने 'एक्स' पर लिखा, "सनातन के दुश्मनों को यह देख कर बहुत दर्द हो रहा है कि दिल्ली की एक महिला मुख्यमंत्री अपने 'जन सेवा सदन' में सैकड़ों महिलाओं के साथ करवा चौथ का त्योहार कैसे मना रही हैं"उसने 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल को "हिंदू विरोधी" बताते हुए कहा कि उनके 'शीश महल' में लोगों को जाने की अनुमति नहीं थी।

आप ने करवा चौथ मनाने के तरीके को लेकर रेखा गुप्ता की निंदा की

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस आयोजन का जिक्र करते हुए एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने कहा, "अभी रेखा गुप्ता जी ने करवा चौथ मनाया। रेखा गुप्ता जी ने अपने पति के साथ करवा चौथ मनाया। सब महिलाएं अपने पति के साथ ही मनाती हैं। इसमें क्या बड़ी बात है? क्या यह पहली बार है कि किसी ने अपने पति के साथ करवा चौथ मनाया? आपने देखा वीडियो? हर जगह प्रसारित हो रहा है। एक तरफ पति हैं और दूसरी तरफ करीब सौ सुरक्षा गार्ड हैं जिनकी पत्नियां उनकी वजह से करवा चौथ नहीं मना सकीं।" उन्होंने कहा, "उस वीडियो को देखिए, एक सुरक्षा गार्ड उनकी (रेखा गुप्ता की) करवा चौथ की थाली पकड़े हुए खड़ा है। उसकी अपनी पत्नी शायद वीडियो देख रही होंगी। वह अपने पति को रेखा गुप्ता की करवा चौथ की रस्में निभाने में मदद करते हुए देख रही होंगी और सोच रही होंगी... यही आपके वोट की कीमत है कि रेखा गुप्ता ने करवा चौथ मनाया। जरा देखिए कि आप लोग इसकी कितनी भारी कीमत चुका रहे हैं।"

ममता बनर्जी ने डॉ. कलाम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर बुधवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिक और दूरदर्शी नेता रहे कलाम को देश के प्रति उनके योगदान के लिए याद किया।

बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा, "पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि। वह एक महान वैज्ञानिक और दूरदर्शी नेता थे, जिनका समर्पण और विनम्रता लोगों को बड़े सपने देखने और देश की प्रगति के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती है।" कलाम ने 2002 से 2007 तक 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्यभाल संभाला था।

बीजेपी की मदद कर रहे उमर अब्दुल्ला: सज्जाद

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पार्टी के अकेले एमएलए सज्जाद गनी लोन ने एलान किया है कि वह केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले राज्यसभा चुनाव में वोटिंग से गैर-हाजिर रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस चुनाव में बीजेपी के इशारे पर कांग्रेस के लिए सीट छोड़ने से इनकार कर दिया। सज्जाद लोन की पार्टी पहले बीजेपी के साथ रह चुकी है।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने नेशनल कांफ्रेंस नेता और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर सहयोगी कांग्रेस को राज्यसभा की एक सेफ सीट पर लड़ने का मौका नहीं देने का आरोप लगाया है। श्रीनगर में एक प्रेस कांफ्रेंस में लोन ने दावा किया कि नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस को अनसेफ सीट (सीट नंबर-4) का ऑफर दिया था, जिसपर चुनाव लड़ने से कांग्रेस ने मना कर दिया। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस चाहती थी कि उसे ऐसी सीट मिले, जिसपर जीत सुनिश्चित हो, लेकिन जब उसकी बात नहीं मानी गई तो वह मैदान से पीछे हट गई। सज्जाद लोन ने उमर अब्दुल्ला को चुनौती दी है कि वह साबित करें कि उनकी पार्टी ने कांग्रेस को बीजेपी के कहने पर राज्यसभा की सीट देने से मना नहीं किया है। लोन ने कहा, उमर दिल्ली गए और दिल्ली मैराथन में हिस्सा लिया। उस समय मैंने अपने सहयोगियों को बताया कि नेशनल कांफ्रेंस अपनी सहयोगी कांग्रेस को कोई राज्यसभा सीट नहीं देगी। बीजेपी के लिए इससे अच्छी खबर क्या होगी कि नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस को राज्यसभा सीट देने से मना कर दिया?

पंजाब व बंगाल में बाढ़ पर नहीं थम रही रार

केंद्र सरकार से नाराज है मान व ममता सरकार

» टीएमसी व आप ने मांगा केंद्र से मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। धीरे-धीरे ठंड आने लगी है, पर बाढ़ को लेकर सियासी रार थम नहीं रही है। बंगाल से लेकर पंजाब तक केंद्र की एनडीए सरकार पर हमलावर है। आप व टीएमसी ने भाजपा व मोदी सरकार से मुआवजे की मांग की है। बगांल में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान दिए गए संक्षिप्त संबोधन में बनर्जी के हवाले से कहा, भूटान से आने वाले पानी के कारण हमें नुकसान हुआ है, हम चाहते हैं कि वे हमें मुआवजा दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को सभी राहत और पुनर्वास की व्यवस्था करनी है और दावा किया कि केंद्र इसके लिए भुगतान नहीं करता है।

उधर हरियाणा में बाढ़ से किसानों को हुए भारी नुकसान पर आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की बीजेपी सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर सीधा हमला बोला है। पार्टी के मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि अगर पंजाब में किसानों को 30 दिन में 20,000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जा सकता है तो हरियाणा में ऐसा क्यों नहीं हो सकता?

भूटान से छोड़े गए पानी के कारण उत्तर बंगाल में बाढ़ : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि उत्तर बंगाल में हाल ही में आई बाढ़ भूटान से छोड़े गए पानी के कारण आई है। बनर्जी ने बाढ़ के कारण हुई क्षति और जान-माल की हानि के लिए हिमालयी राज्य से मुआवजे की भी मांग की। एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान दिए गए संक्षिप्त संबोधन में बनर्जी के हवाले से कहा कि भूटान से आने वाले पानी के कारण हमें नुकसान हुआ है, हम चाहते हैं कि वे हमें मुआवजा दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को सभी राहत और पुनर्वास की व्यवस्था करनी है और दावा किया कि केंद्र इसके लिए भुगतान नहीं करता है।

पंजाब में काम, हरियाणा में सिर्फ बात : आप

उन्होंने कहा, सरकार ने सिर्फ 15 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजे की बात कही है, लेकिन किसानों के खाते में अब तक कुछ नहीं आया है। दूसरी तरफ पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार ने 20 हजार प्रति एकड़ का मुआवजा तय किया और 30वें दिन ही किसानों के बैंक खातों में पैसा पहुंचा दिया। पंजाब में काम हुआ और हरियाणा में सिर्फ बात हुई।

भारत-भूटान नदी आयोग के गठन की मांग

मुख्यमंत्री के अनुसार, उनकी सरकार लंबे समय से एक भारत-भूटान नदी आयोग के गठन की मांग कर रही है जिसमें पश्चिम बंगाल को भी सदस्य बनाया जाना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि इस मुद्दे पर 16 अक्टूबर को एक बैठक होने की संभावना है और राज्य अपने प्रतिनिधि के रूप में एक अधिकारी भेजेगा।

बीजेपी सरकार ने किसानों के साथ सीधा धोखा किया : अनुराग ढांडा

आप नेता अनुराग ढांडा ने आरोप लगाया कि बाढ़ से हरियाणा में 5.30 लाख किसान, 6,395 गांव और करीब 31 लाख एकड़ जमीन प्रभावित हुई है। इसके बावजूद किसानों को आज तक एक रुपए का मुआवजा नहीं मिला है। 8 जिलों में 15,834 एकड़ गिरदावरी का काम अभी भी अधूरा है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोला और कहा कि इतना बड़ा नुकसान हो गया लेकिन बीजेपी सरकार चुपचाप बैठी है। ये किसानों के साथ सीधा धोखा है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री

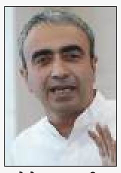

नायब सिंह सैनी पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को किसानों का दर्द दिखता ही नहीं। एमएसपी पर फसल नहीं बिक रही, खेत बाढ़ में डूबे हैं, फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, लेकिन मुख्यमंत्री दिल्ली दरबार में अपनी कुर्सी बचाने में व्यस्त हैं। किसानों को राहत देने की बजाय सरकार ने मुंह मोड़ लिया है।

बसपा रैली के बाद बदल रहे हैं समीकरण

» योगी की तारीफ कर माया ने लगाई सियासी आग
» भाजपा व बसपा पर हमलावर हुई सपा
» अखिलेश के रणनीतिक निशाने पर आकाश आनंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गत दिनों लखनऊ में मायावती की रैली ने सभी सियासी दलों को बेचैन कर दिया है। हालांकि बसपा प्रमुख ने योगी की तरीफ करके बीजेपी को थोड़ी राहत दी है। इस अवसर पर उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की खिचाई की। उसके बाद से सपा व बसपा में वार पलटवार बढ़ गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बसपा नेता आकाश आनंद पर हमला बोला। ये सपा की बदली रणनीति का संकेत माना जा रहा है।

अखिलेश ने जहां भाजपा-बसपा में अंदरूनी सांठगांठ का आरोप लगाया है, वहीं यह भी कहा है कि बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की जरूरत भाजपा को ज्यादा है। इसे इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि आकाश आनंद बसपा में मायावती के उत्तराधिकारी के तौर पर लिए जाते हैं। वे मायावती के भतीजे हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने 9 अक्टूबर को अपनी रैली में सपा के पीडीए अभियान पर खुलकर निशाना साधा था। सपा और बसपा ने वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था और उसके बाद से अखिलेश यादव, मायावती या उनके परिवार के राजनीतिक सदस्यों पर सीधा हमला करने से बचते रहे हैं। इसलिए जब अखिलेश ने आकाश आनंद को लेकर अपने एक्स एकाउंट पर टिप्पणी की तो इसके राजनीतिक निहितार्थ तलाशे जाने लगे।

सपा की नजर दलित मतदाताओं पर

इस बयान से साफ है कि सपा अध्यक्ष अब बहुजन समाज पार्टी पर सीधे राजनीतिक हमले के मूड में हैं। राजनीति के जानकार कहते हैं कि सपा अच्छी तरह समझती है कि वर्ष 2027 के चुनाव में सत्ता तक पहुंचने के लिए दलित मतदाताओं का साथ जरूरी है। कभी दलित वोट बैंक पर बसपा का दबदबा रहा है, लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने इसमें अच्छी खासी सेंध लगाई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा भी दलितों का वोट पाने में सफल रही। इसलिए अखिलेश ने पार्टी नेताओं को दलितों के बीच सक्रियता बढ़ाने का न सिर्फ संदेश दिया है, बल्कि जहां कहीं भी दलितों के साथ अत्याचार हो रहा है, उसे प्रमुखता से उठाने का फैसला भी किया है। रायबरेली में वाल्मीकि युवक की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। हालांकि, आकाश आनंद पर अखिलेश की टिप्पणी का भाजपा के किसी प्रमुख नेता की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

2024 के लोकसभा चुनाव में सपा भी दलितों का वोट पाने में सफल रही

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा भी दलितों का वोट पाने में सफल रही। इसलिए अखिलेश ने पार्टी नेताओं को दलितों के बीच सक्रियता बढ़ाने का न सिर्फ संदेश दिया है, बल्कि जहां कहीं भी दलितों के साथ अत्याचार हो रहा है उसे प्रमुखता से उठाने का फैसला भी किया है। रायबरेली में वाल्मीकि युवक की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। हालांकि, आकाश आनंद पर अखिलेश की टिप्पणी का भाजपा के किसी प्रमुख नेता की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

अखिलेश का सपा की आक्रामक रणनीति का संकेत

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का बसपा नेता आकाश आनंद पर हमला सपा की बदली रणनीति का संकेत माना जा रहा है। अखिलेश ने जहां भाजपा-बसपा में अंदरूनी सांठगांठ का आरोप लगाया है, वहीं यह भी कहा है कि बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की जरूरत भाजपा को ज्यादा है। इसे इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि आकाश बसपा में मायावती के उत्तराधिकारी के तौर पर माने जाते हैं। वे बसपा सुप्रीमो के भतीजे भी हैं। मायावती ने 9 अक्टूबर को लखनऊ की रैली में सपा के पीडीए अभियान पर जमकर निशाना साधा था। बता दें, सपा और बसपा ने वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था। इसके बाद से अखिलेश, मायावती या उनके परिवार के राजनीतिक सदस्यों पर सीधा हमला करने से बचते रहे हैं। इसलिए जब अखिलेश ने आकाश आनंद को लेकर अपने एक्स अकाउंट पर टिप्पणी की तो इसके राजनीतिक निहितार्थ तलाशे जाने लगे। इससे यह भी साफ हो गया है कि सपा अध्यक्ष अब बसपा पर सीधे राजनीतिक हमले के मूड में हैं। जानकार कहते हैं कि सपा अच्छी तरह समझती है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता तक पहुंचने के लिए दलित मतदाताओं का साथ जरूरी है। कभी दलित वोटबैंक पर बसपा का दबदबा रहा है, लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने इसमें सेंध लगाई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

ये कैसा महिला सम्मान सरकार क्यों मौन

> राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान-तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है।

महिला सम्मान की बात करने वाली भाजपा सरकार में महिलाओं के सम्मान पर वह कितनी गंभीर है उसकी बानगी तो अफगानिस्तानी विदेश मंत्री के प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की मनाही से दिख गई। उससे पहले डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान-तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र , राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं।

रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 4,45,256 और 2021 में 4,28,278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्यप्रदेश में 32,342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई। वहीं राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है; पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएं हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं। ये आंकड़े सरकार के मुंह पर करारा तमाचा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तालिबान को सैन्य मदद की आशंका से सहमा पाक

पुष्परंजन

पाक-अफगान युद्ध ऐसे ही नहीं रुका है। उसका सबसे बड़ा कारण भारत रहा है। दावेदारी सऊदी अरब, यूएई और ईरान की तरफ से हो रही है कि उनके समझाने-बुझाने पर दोनों पक्ष मान गए हैं। इस तथाकथित शांति रथ के चौथे सवार, राष्ट्रपति ट्रम्प भी हो गए हैं। ट्रम्प ने बयान दिया, 'मैं तो शांति कराने में माहिर, 'पीस एक्सपर्ट' हूं। भारत-पाक को टैरिफ की धमकी दी, वो मान गए।' अब कोई पूछे, अफगान अमीरात ट्रम्प की टैरिफ धमकी को गंभीरता से लेगा क्या? उनके पास खोने के लिए है क्या? खैर, इस हंसी-मजाक से अलग, जो कुछ पाकिस्तानी प्रिंट मीडिया ने अपने सत्ता प्रतिष्ठान को समझाया है, वो बिलकुल 'कन्विंसिंग' और निशाने पर था। भारत क्यों कारण रहा, इसे समझने के लिए पाकिस्तान से प्रकाशित दो अखबारों के सम्पादकीय को पढ़ लेना काफी होगा।

'अफगान क्लैशेज ' शीर्षक से द डॉन सम्पादकीय लिखता है, 'पाकिस्तान को इस बात से भी सावधान रहना चाहिए कि भारत और अफगान तालिबान, जो कभी कट्टर दुश्मन थे, के बीच अचानक संबंधों में गर्मजोशी आ गई है, और हाल ही में अफगान विदेशमंत्री का नई दिल्ली में सौहार्दपूर्ण स्वागत किया गया। इसलिए, काबुल के साथ संबंधों को, चाहे कितने भी तनावपूर्ण क्यों न हों, और बिगड़ने देना इस देश के हित में नहीं होगा।' 'चूंकि पाकिस्तान ने हमेशा अपने शत्रुओं के प्रति, चाहे वह भारत हो या अफगानिस्तान, शांति का हाथ बढ़ाया है। आपसी सम्मान और सौहार्द के आधार पर संबंध बनाने की कोशिश की है, इसलिए अब समय आ गया है कि कूटनीति को एक और मौका दिया जाए। अफगान तालिबान अधिकारियों के साथ बातचीत की जाए, ताकि आतंकवाद से निपटने में सहयोग किया जा सके तथा संबंधों में शांति सुनिश्चित की जा सके।' भारत में मुत्ताकी के भव्य स्वागत को लेकर पाकिस्तान के सीने पर सांप लोट रहा है। पाकिस्तानी मीडिया का एक हिस्सा गुरुवार को काबुल में की गयी सर्जिकल स्ट्राइक को पाकिस्तान की बेवकूफाना हरकत मान रहा है।

डॉन ने लीपापोती करते हुए लिखा, 'फिलहाल, शत्रुता समाप्त हो गई है। और अब इस मामले को और बिगड़ने से रोकना चाहिए। हालांकि अतीत में छोटे स्तर की झड़पें हुई, लेकिन हाल के वर्षों में यह सबसे बड़ी झड़प है।' तालिबान शासन ने 85 पाकिस्तानी सैनिकों-अफसरों को ढेर किये जाने का दावा किया है। जबकि पाक सेना के जनरल केवल 23 सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार कर रहे हैं। सबसे मुश्किल में सियासतदां फंसे हैं। 'खुद मियां फजीहत' जनता को जवाब कैसे दें? राष्ट्रपति जरदारी ने 'भारत द्वारा प्रायोजित' आतंकवाद के खतरे को 'क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा' बताया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अफगानिस्तान की हालिया 'उकसावे वाली कार्रवाइयों' की कड़ी निंदा की, और दोहराया कि पाकिस्तान राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेगा। दरअसल, इन्हें भारत का डर सताने लगा है कि इस बार डुरंड लाइन पर कोई 'ग्रेट गेम' दिल्ली की तरफ से न हो जाये। डुरंड रेखा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,640 किमी लंबी एक अंतरराष्ट्रीय सीमा है। यह रेखा पश्तून जनजातीय क्षेत्र से होकर दक्षिण में बलोचिस्तान के बीच से होकर गुजरती है। ये दोनों इलाके आतंकग्रस्त हैं, जहां कबीलाई क्षत्रपों की चलती है। पाकिस्तान के कॉलमनिस्ट शहीद जावेद बुर्की कहते हैं, 'वाशिंगटन और इस्लामाबाद, दोनों ही इस्लामिक स्टेट-खोरासन और टीटीपी जैसे आतंकी समूहों को नियंत्रण में लाने में काबुल की मदद चाहते हैं।' अफगानिस्तान की आर्थिक नाकेबंदी अब भी अमेरिका ने कर रखी है। अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के अरबों डॉलर की डिपॉजिट पर अमेरिका जिस तरह कुंडली मारे बैठा है, उससे इस देश की बैंकिंग प्रणाली चरमरा रही है।

अमेरिका की आंखें अफगान जमीन के नीचे छिपे दुर्लभ खनिजों पर गड़ी हैं। दुनिया मानती है कि अफगानिस्तान में समृद्ध खनिज संसाधनों के भंडार हैं, जो कई मूल्यवान उत्पादों जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, विमान, मिसाइल, चिकित्सा उपकरण, घरेलू उपकरण और अन्य उच्च-मूल्य वाले उत्पादों के निर्माण में महत्वपूर्ण घटक हैं।

पेंटागन ने बहुत पहले उसका सर्वे करा लिया था, जब मित्र सेनाएं तैनात थीं। माना जाता है कि यह खरबों डॉलर में है। दुर्लभ खनिजों से भरा क्षेत्र कजाकिस्तान से शुरू होकर अफगानिस्तान- पाकिस्तान के कबायली इलाकों में समाप्त होता है। चीन की उपस्थिति भी इसी वजह से है। और इन सबों को डर भारत से है, कि यदि दिल्ली ने अफगानिस्तान में इस बार सही से डेरा जमा लिया, तो फिर दुर्लभ खनिजों की बंदरबांट सहजता से नहीं हो पायेगी।

बेहतर इंटरनेट पहुंच से ग्रामीण विकास की राह

के.एस. तोमर

भारत की विकास गाथा तब तक अधूरी है जब तक इसकी असली ताकत 'ग्रामीण भारत' डिजिटल हाइवे से पूरी तरह नहीं जुड़ती। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, लेकिन सुलभ इंटरनेट की पहुंच से अब भी दूर है। शहरी भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और शासन में डिजिटल क्रांति स्पष्ट दिखती है, जबकि गांव आज भी कमजोर नेटवर्क और सीमित डिजिटल साक्षरता से जूझ रहे हैं। इस खाई को पाटना ही आने वाले दशक में समावेशी विकास और असमानता दूर करने का निर्णायक कारक बनेगा। यह सच है कि मौजूदा सरकार ने डिजिटल भारत अभियान को केवल शहरों तक सीमित न रखकर उसे गांवों-कस्बों तक पहुंचाने की दिशा में कई कदम उठाए। डिजिटल इंडिया दृष्टि ने तकनीक को विलासिता से सशक्तीकरण के औजार में बदल दिया है।

आज किसान ऑनलाइन मंडी भाव देख रहे हैं, महिलाएं सीधे लाभ हस्तांतरण योजनाओं से जुड़ रही हैं, विद्यार्थी ई-लर्निंग तक पहुंच रहे हैं और रेहड़ी वाले तक क्यूआर कोड से नकद रहित भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक क्रांति का प्रतीक है, जो गांवों में अवसरों का विस्तार कर रही है। गांवों की जिंदगी में डिजिटल क्रांति से ऑनलाइन पढ़ाई और रोजगार के कारण शहरों की ओर पलायन में कमी आ रही है। वहीं, इंटरनेट से महिलाएं स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म ऋण और ऑनलाइन प्रशिक्षण के जरिये आर्थिक आत्मनिर्भर बन रही हैं। विश्व बैंक के अनुसार, इंटरनेट तक पहुंच रखने वाली ग्रामीण महिलाओं को 15 प्रतिशत अधिक रोजगार अवसर मिलते हैं। साथ ही, नेटवर्क के जरिए गांव अब राष्ट्रीय विमर्श में भाग ले रहे हैं। अपनी सांस्कृतिक विरासत का डिजिटल संरक्षण भी कर पा रहे हैं।ग़ौरतलब है कि भारतनेट परियोजना के तीसरे चरण पर 1.39 लाख करोड़ रुपये (2023-25) खर्च किए जा रहे हैं। जियो और एयरटेल जैसी कंपनियां 2026 तक 90 प्रतिशत आबादी को 5जी से जोड़ने का दावा कर रही हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सैटेलाइट इंटरनेट एक विकल्प है, लेकिन इसकी लागत 1,200-1,500 रुपये प्रति परिवार प्रतिमाह तक पहुंच सकती है। हालांकि तथ्य यह भी कि भारत हर साल 6.4 लाख करोड़ रु. ग्रामीण विकास पर खर्च करता है। यदि इसका 10 फीसदी भी डिजिटल नेटवर्क विस्तार पर लगाया जाए, तो इससे हर गांव जुड़ सकता है। सवाल उठता है कि गांवों तक नेटवर्क पहुंचना क्यों जरूरी है? इसके उत्तर कई हैं। एक तो ऑनलाइन कक्षाएं, डिजिटल लाइब्रेरी और ई-लर्निंग एप्स ग्रामीण छात्रों के लिए वरदान हैं। यूनिसेफ के अनुसार, इससे गांवों में बच्चों की सीखने की क्षमता 20-25 प्रतिशत बेहतर रही है। इस समय ग्रामीण भारत की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम की है। डिजिटल नेटवर्क से उन्हें स्किल ट्रेनिंग, ऑनलाइन कोर्स और रिमोट जॉब्स के अवसर मिल सकते हैं। वहीं इंटरनेट सुविधा के चलते कृषि और अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला है।

नीति आयोग के अनुसार, किसान मौसम, फसल मूल्य और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर 8-10 प्रतिशत अधिक आय अर्जित कर रहे हैं। यही नहीं, स्वास्थ्य क्षेत्र में जहां ग्रामीण इलाकों में प्रति 10,000 लोगों पर केवल एक डॉक्टर है, ऐसे में 'ई-संजीवनी' जैसे टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ने अब तक दो करोड़ से अधिक परामर्श प्रदान किए हैं। इंटरनेट के माध्यम से सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) से पेंशन, मजदूरी और सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रही हैं, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आई है और शासन में पारदर्शिता बढ़ी है। पिछले दशक में उल्लेखनीय सुधार के बावजूद ट्राई के 2025 के आंकड़ों के अनुसार, केवल 52 प्रतिशत ग्रामीण घरों में इंटरनेट की पहुंच है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 95 प्रतिशत है। भारतनेट के तहत 6.5 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। अभी तक 60 प्रतिशत से कम गांवों में ही कार्यशील हाई-स्पीड नेटवर्क पहुंच पाया है। यह भी कि भारत अब कनेक्टिविटी बढ़ाने की दौड़ में विदेशी कंपनियों पर निर्भर नहीं रहा। बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी स्टैक पहल ऐतिहासिक उपलब्धि है। सी-डॉट, तेजस नेटवर्क और टीसीएस के सहयोग से विकसित यह तकनीक महज 22 महीनों में तैयार हुई।

भारत अब उन पांच देशों में शामिल हो गया है जो यह क्षमता रखते हैं। वहीं, बीएसएनएल अब तक 92,000 साइटें स्थापित कर चुका है, जिससे 2.2 करोड़ से अधिक लोग जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण उपभोक्ताओं की है इंटरनेट से जुड़े हैं। यह न केवल तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की जीवंत मिसाल भी है। यही नहीं, स्वदेशी स्टैक से स्थानीय रोजगार, सप्लाई चेन और तकनीकी कौशल का विकास हुआ है। यह तकनीक निर्यात योग्य भी है, जिससे भारत केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि टेलीकॉम उत्पादक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इस सबके बावजूद अब भी चुनौतियां शेष हैं। सस्ता डेटा होने पर भी स्मार्टफोन और मासिक खर्च गरीब परिवारों पर बोझ हैं। दूसरी ओर, 60 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण वयस्क अब भी डिजिटल ज्ञान से वंचित हैं। वहीं, बिजली कटौती और मरम्मत सुविधाओं की कमी नेटवर्क प्रभावित करती है। इसके साथ ही, साइबर ठगी और अफवाहों का खतरा भी बढ़ रहा है।

ईको फ्रेंडली तरीके से मनाएं दिवाली

घर सजावट में काम आएंगे ये आइडियाज

दिवाली का त्यौहार नजदीक आ रहा है। जहां इसे लेकर लोगों में जोश और उमंग है वहीं बढ़ते प्रदूषण को लेकर टेंशन भी। दिल्ली- एनसीआर में दिवाली के पहले ही हालात इतने खराब हैं और दिवाली के बाद तो स्थिति और ज्यादा बिगड़ने के आसार है। ऐसे में दिवाली के त्योहार को ईको-फ्रेंडली तरीके से मनाएं और प्रदूषण को बढ़ने से रोकने में मदद करें। इसके लिए रंगोली बनाने से लेकर लाइट्स व दीये की सजावट, उपहारों का चयन हर एक चीज़ का ध्यान रखना होगा। दिवाली पर इस्तेमाल होने वाले पटाखे, केमिकल्स और प्लास्टिक लंबे समय तक प्रदूषण बने रहते हैं, ऐसे में आपकी छोटी सी पहल बहुत बड़ा योगदान साबित हो सकती है। इस दिवाली न केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का जश्न मनाएं बल्कि पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव भी डालें। दीयों की सजावट के इन इको-फ्रेंडली आइडियाज के साथ, आप अपने घर को एक विवेकपूर्ण, हरित चमक से रौशन कर सकते हैं, जिससे यह त्यौहार वास्तव में खास बन जाएगा।

फूल और पत्तियों के कंदील

अपने गॉर्डन में जाएं और फूल और पत्तियों को इकट्ठा करें। उस पर गोंद की एक पतली परत चढ़ाएं और नॉर्मल कागज का इस्तेमाल से इससे सुंदर कंदील बना सकते हैं।

ग्लास जार के दीए इस्तेमाल करें

घर में पड़े पुराने कांच के जार को घर को सजाने और जगमगाने में इस्तेमाल करें, जो बहुत ही टिकाऊ ऑप्शन है। जार को अच्छी तरह से साफ करें लें और इसमें चमकीले रंग भर दें। इसके अंदर एक टीलाइट या तेल का दीपक रखें। घर के अलग-अलग कॉर्नर पर रख दें। ये बहुत ही खूबसूरत लगेगा।

मिट्टी के बर्तन से सजाएं

दीयों के अलावा दिवाली के दौरान मिट्टी के तरह-तरह के बर्तन भी मिलते हैं, तो आप इन्हें भी सजावट के लिए इस्तेमाल में ला सकते हैं। मिट्टी के बर्तनों को अलग-अलग रंगों से सजाकर या उस पर तरह-तरह की कलाकृतियां बनाकर इसे बिल्कुल नया रूप दे सकते हैं। मिट्टी के दीए और बर्तन न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं, बल्कि आपके इस च्वॉइस से स्थानीय कारीगरों को भी बहुत बड़ा सपोर्ट मिलता है।

नारियल के छिलके के दीए

नारियल के खोपरे को शानदार दीयों में बदल कर आप घर की सुंदरता बढ़ा सकते हैं। सबसे पहले खोल को अंदर और बाहर से साफ कर लें। उस पर कोई चमकीला या रंग-बिरंगा कपड़ा बांध दें। एक छोटा होल्डर रखकर उस पर तेल का दीया या मोमबत्ती रख कर जलायें। नारियल के खोल के दीए बेहद आकर्षक लगते हैं। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल भी होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लकड़ी की जगह नारियल के छिलके को जलाकर खाना बनाया जाता है। लकड़ी को जलाने में परेशानी होती है लेकिन नारिलय के छिलके वाली जट्टू को आसानी से जलाया जा सकता है। पहले छिलके में आग लगाते हैं फिर स्वत: लकड़ी में आग लग जाती है। इस प्रकार नारियल के छिलके बड़े काम की चीज है, इसे फेंके नहीं इस्तेमाल करें।

हंसना मना है

एक लड़की ने पिज्जा शॉप में जा कर पिज्जा आर्डर किया। वेटर- मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली- 4 पीस ही कर दो। 8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी।

इतवार के दिन बैंक कर्मचारी की बीबी उठो, जागो.. देखो मेरे मम्मी पापा आए हैं, आदमी- उनको कहो लाइन में लगें, और आईडी साथ में रखें।

पैसे वाला आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 दूकान, 4 बंगले हैं ..तुम्हारे पास क्या है.. गरीब आदमी बोला- मेरे पास 1 बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है?

एक बार एक आदमी जंगल में जा रहा था। अचानक शेर देख सांस रोककर जमीन में लेट गया। ये देख कर शेर आया और उसके कान में बोला! सावन है बेटा, वरना सारी होशियारी निकाल देता।

साईकिल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला- आप बहुत लकी हो आदमी- ओए, एक तो मुझे साईकिल मारी और ऊपर से कह रहा है कि मैं लकी हूं, कैसे? साइकल वाला- आज मेरी छुट्टी है, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

कहानी | बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक समय की बात है, जब शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। एक दिन दोपहर के खाने के समय एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आ जाता है। उस समूह में एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और उधम मचाने लगता है। शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, जिस पर मजदूर ने लकड़ी का खूंटा लगाया था। खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूंछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

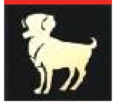

मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। बुरे लोगों से दूर रहें। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ

दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लाभ बढ़ेगा।

मिथुन

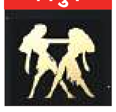

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह

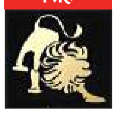

परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे।

कन्या

कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला

किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु

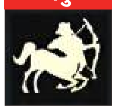

जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। नौकरी में चैन रहेगा।

मकर

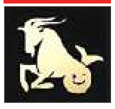

भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ

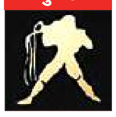

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन

दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने शुरुआती दिनों में 500 रुपये में काम किया : फराह

फराह खान ने अपने करियर की शुरुआत बतौर कोरियोग्राफर और असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों के बारे में वह सिंगर शान के साथ गपशप करती दिखीं। शान ने भी कई किस्से साझा किए। फराह ने बताया कि 500 रुपये में भी काम किया है। साथ ही एक फिल्म में किस सीन से जुड़ा किस्सा भी शेयर किया। फराह खान ने शान के बच्चों से पूछा कि तुम आजकल कितना कमा लेते हो। इस पर वह मुस्कुराते हैं। फराह सिंगर शान से कहती हैं, 'हमसे तो ज्यादा ही कमा लेते होंगे। हम तो शुरुआती दिनों में ही 500 रुपये के लिए भी काम कर लेते थे। मैंने तो क्राउड डांसर के तौर पर भी काम किया।' शान ने भी बताया कि वह भी छोटे-मोटे शो शुरुआत में करते थे। व्लॉग चैनल में आगे फराह खान को शान बताते हैं कि फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' उनकी पहली फिल्म थी। इसके लिए एक दिन का 150 रुपये मिला था। इस फिल्म में वह एक जगह पर सैक्सोफोन बजाते हुए भी दिखते हैं। तभी फराह बताती हैं कि वह इस फिल्म में जूनियर डांसर थीं। फराह कहती हैं, 'इस फिल्म में मैं असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर रही थी, अचानक डांसर कम पड़ गए। तब मैंने कोरियोग्राफी में भी मदद की। लेकिन जब कोई डांसर नहीं आता था तो मुझे डायरेक्टर कैमरे के सामने खड़ा देते थे। एक सीन में दीपक तिजोरी ने मेरे गाल पर किस किया। क्योंकि फिल्म की एक हीरोइन पूजा बेदी ने यह सीन करने से इंकार कर दिया था। लेकिन मुझे इस फिल्म के लिए पैसे तक नहीं मिले। हां, उस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ दिया है, इसे मैं कभी नहीं भूल सकती हूं।

अब ऋतिक रोशन ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

आजकल पर्सनैलिटी राइट्स बड़े सेलेब्स के लिए एक बड़ा चिंता का विषय बन गया है। काफी वक्त से कई सेलेब्स इसके खिलाफ आवाज उठाते नजर आए हैं। वहीं कुछ तो इसके लिए कानून का सहारा भी ले चुके हैं इन सेलेब्स में ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, करण जौहर, कुमार सानू जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सितंबर में ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन और करण जौहर जैसे बड़े सितारों ने अपने पर्सनैलेटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। वहीं हाल ही में सिंगर कुमार सानू ने भी अपने नाम, आवाज, गायन शैली और तकनीक समेत अपनी पर्सनैलिटी और प्रमोशनल राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अब, ऋतिक रोशन ने भी अपनी चिंता व्यक्त की है और अपने पर्सनैलिटी राइट्स के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का रूख किया है।

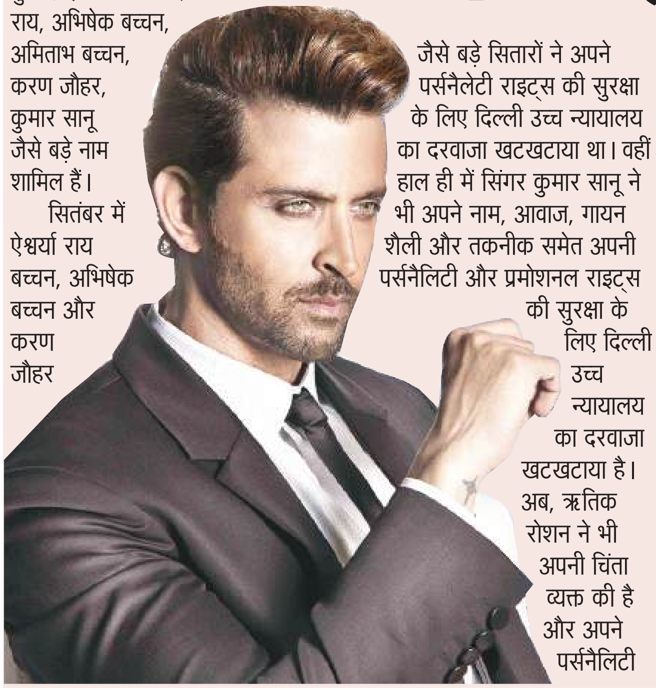

ऋतिक रोशन ने अपने प्रमोशनल राइट्स की सुरक्षा की मांग की है, जिसमें उनके नाम, तस्वीर, समानता और उनकी पर्सनैलिटी के अन्य पहलुओं की सुरक्षा शामिल है। अभिनेता द्वारा दायर मुकदमे में फाइनेंशियल प्रॉफिट के लिए गैरकानूनी कमर्शियल उपयोग और दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। इस मामले की सुनवाई कल दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा द्वारा किए जाने की उम्मीद है।

अन्य अभिनेता जिन्होंने भी सुरक्षा की माँग की है

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन और उनके पति अभिषेक बच्चन, फिल्म निर्माता करण जौहर, तेलुगु अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर और पत्रकार सुधीर चौधरी ने भी अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत प्रदान की थी। पर्सनैलिटी राइट्स किसी भी व्यक्ति की तस्वीरों, वीडियो, आवाज, नाम, स्टाइल जैसी चीजों की बिना परमिशन के इस्तेमाल करने से बचने के लिए होते हैं। अब एआई ने इस मुश्किल को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। हालांकि मशहूर हस्तियां इसको लेकर ज्यादा सजग हो गई हैं और अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए आवाज उठा रही हैं।

ट्रोलर्स के खिलाफ ऐश्वर्या के समर्थन में उतरीं ऋचा चड्ढा

कई बार एक्ट्रेस को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ जाता है। जिसमें एक नाम पूर्व मिस वर्ल्ड और बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय का भी हैं। हाल ही में वह अपने लुक के लिए काफी बुरी तरह से ट्रोल हुई थीं। हालांकि इस बार ऋचा चड्ढा उनके सपोर्ट में सामने आई और उन्होंने ट्रोलर्स को करारा जवाब भी दिया हैं। दरअसल हाल ही में ऐश्वर्या राय पेरिस लोरियल फैशन वीक 2025 में शामिल हुई थीं। इस इवेंट में उन्होंने ब्लैक कलर की शेरवानी पहनी थी। ये आउटफिट मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया था। उनके इस लुक को काफी पसंद किया गया था। हालांकि कई लोगों को उनका ये लुक पसंद नहीं आया, जिसके बाद वो उन्हें सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल करने लगे।

वहीं हाल ही में जब जिस्ट के साथ इंटरव्यू में ऋचा ने ऐश्वर्या की ट्रोलिंग पर बात की। उन्होंने कहा कि लोग ऐश्वर्या राय से जलते हैं। ऋचा ने ऐश्वर्या की तारीफ में कहा कि वो भारत के इतिहास के सबसे खूबसूरत महिला हैं। इसके साथ ही वो बहुत डिसिप्लिन और ग्रेसफुल भी हैं। वो कभी किसी के बारे में बुरा नहीं बोलती हैं। लोग भले ही उन्हें कितना भी ट्रोल कर ले, लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता हैं।

इंटरव्यू में जब ऋचा से पूछा गया कि इस तरह की ट्रोलिंग से वो कैसे डील करती हैं? तो ऋचा ने कहा, क्यों तुम्हें डील करना है भाई? चिंटू चंडीगढ़ में बैठ के क्या सोच रहा है तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा? चिंटू तुम्हारे आगे आ गया तुम उसे चपरासी भी नहीं रखोगे अपने घर में। क्या फर्क पड़ता है तुम्हें चिंटू क्या सोचता हैं? एक्ट्रेस ने आगे कहा, चिंटू अपना भड़ास निकल रहा है, उसके पीछे उसको दर्द हो रहा है, उसके पास नौकरी नहीं है, उसकी मम्मी एलपीजी से चूल्हे पर आ गई है चिंटू क्या करेगी? ठीक है उन्हें ट्रोल करते रहने दो, किसी अनजान व्यक्ति की क्या सोच है, इसकी किसे परवाह है? लोग अपनी जिंदगी से नाखुश हैं, इसलिए ऐसा करते हैं।

अजब-गजब | सैकड़ों सालों से यहां मनाई जाती है यह परंपरा

दिवाली पर खुशियों की जगह शोक मनाते हैं यहां के लोग, नहीं जलाए जाते दीये

दिवाली का पावन त्योहार आने में कुछ ही दिन शेष हैं। रोशनी का यह त्योहार पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। हिंदु धर्म में इस त्योहार का विशेष महत्व है। लोग कई दिनों पहले से ही दिवाली की तैयारियां शुरू कर देते हैं। लोग अपने घरों की साफ सफाई करते हैं और उसे पेंट कराते हैं। घर को सजाया जाता है। नए कपड़े, मिठाइयां और पटाखे खरीदे जाते हैं। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दिवाली के त्योहार का विशेष उत्साह रहता है। दिवाली के दिन घरों को दीयों से जगमग कर दिया जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि हमारे देश में ही एक जगह ऐसी भी है, जहां दिवाली नहीं मनाई जाती। यहां दिवाली के दिन लोग खुशियों के बजाय शोक मनाते हैं।

दिवाली के दिन जहां पूरा देश रोशनी के इस पर्व में जगमग करता है, वहीं उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक गांव ऐसा भी है, जहां दिवाली को शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यहां इस दिन किसी भी घर में कोई पूजा-अर्चना तो दूर घर में दीपक तक नहीं जलाता। हैरान करने वाली बात तो यह है कि यह परंपरा सालों से चली आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूपी के मिर्जापुर के मड़िहान तहसील के राजगढ़ इलाके के अटारी गांव में दिवाली को शोक दिवस के रूप में मनाते है। इस गांव के अलावा इसके आसपास बसे करीब आधा दर्जन गांव मटिहानी, लालपुर, मिशुनपुर, खोराडीह में दिवाली का त्योहार शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। सभी गांवों में रहने वाले चौहान समाज की करीब आठ हजार की आबादी सैकड़ों साल से इस परंपरा को निभाती चली आ रही है। सैकड़ों सालों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वाह आज भी यहां के लोग कर रहे है।

बताया जाता है कि इन गांवों में बसे चौहान समाज के लोग खुद को अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान का वशंज बताते हैं। ऐसे में इन लोगों का मानना है कि दिवाली के दिन ही मोहम्मद गौरी ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की हत्या की थी। इतना ही नहीं गौरी ने शव को गंधार में ले जाकर दफनाया भी था। इस वजह से लोग इस दिन अपने घरों में कोई रोशनी नहीं करते। इसी कारणवश समाज के लोग दिन दीपावली के पर्व को शोक मनाते हैं। यहां लोग दिवाली की जगह देव दीपावली (एकादशी) के दिन खुशी-खुशी से पूजा-अर्चना कर घरों को रोशन करते हैं।

10 हजार साल पुरानी दुनिया की सबसे पतली नदी, एक छलांग में छोटा बच्चा भी कर लेगा पार

दुनियाभर में कई ऐसी नदियां हैं, जो किसी देश में एक छोर से दूसरी छोर तक बहती है। इतना ही नहीं, कई नदियों का बहाव तो अलग-अलग देशों में है। ऐसी नदियां न सिर्फ लंबी, बल्कि अपनी चौड़ाई की वजह से भी जानी जाती हैं। लेकिन आज हम आपको दुनिया की एक ऐसी नदी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सबसे पतली है। लेकिन इसका इतिहास हजारों साल पुराना है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस नदी को एक छोटा बच्चा भी आसानी से पार कर सकता है। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये नदी है कौन सी? ऐसे में बता दें कि इसका नाम हुआलाई नदी है, जो चीन में बहती है। इसे दुनिया की सबसे पतली नदी माना जाता है, जो इस सोच को पूरी तरह से बदल देती है कि नदी को चौड़ा होना ही चाहिए। बता दें कि अमेजन नदी जैसे बड़े जलमार्ग सूखे मौसम में भी 6 मील और बारिश में 24 मील तक चौड़े हो जाते हैं, जो नदियों की बड़ी पहचान है। गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी के साथ भी ऐसा ही है। लेकिन चीन के इनर मंगोलिया पठार पर बहने वाली हुआलाई नदी एकदम उलट है। यह नदी दिखने में तो 17 किलोमीटर से ज्यादा लंबी है, लेकिन इसकी औसत चौड़ाई सिर्फ 15 सेंटीमीटर है। इसकी सबसे हैरतअंगेज बात यह है कि जहां यह सबसे कम चौड़ी है, वहां इसकी चौड़ाई केवल 4 सेंटीमीटर है! जी हां, सिर्फ 4 सेंटीमीटर चौड़ी नदी! यह आंकड़ा इसे दुनिया के सबसे अनोखे कुदरती नजारों में से एक बनाता है। चीनी एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह छोटी सी पानी की धार कम से कमपिछले 10,000 सालों से गोंगगर घास के मैदान में लगातार बह रही है। इसकी उत्पति का स्रोत भी कम रहस्यमयी नहीं है। माना जाता है कि यह एक अंडरग्राउंड झरने से निकलती है और आखिर में हेक्सिग्टन ग्रासलैंड्स नेचर रिजर्व में दलाई नूर झील में जाकर मिल जाती है। दस हजार सालों से इसका बिना रुके बहना लोगों को हैरान करता है। हालांकि, बहुत से लोग कह सकते हैं कि इतनी पतली धार को नदी नहीं, बल्कि कोई नाला या छोटी धारा कहना चाहिए। मगर, भूगोल के जानकार इस बात पर जोर देते हैं कि नदी के लिए साइज कोई खास मायने नहीं रखता। नदी की परिभाषा उसके हमेशा बहते रहने और उसकी संरचना से तय होती है। हुआलाई नदी एक पक्की पानी की धार है जो साल भर बहती रहती है और इसमें एक नदी के सभी जरूरी हिस्से मौजूद हैं, जैसे कि एक साफ-सुथरी घाटी और बाढ़ का मैदान। इसकी चौड़ाई बेशक कम हो, लेकिन इसकी गहराई 50 सेंटीमीटर तक है। यह गहराई साबित करती है कि यह नदी सिर्फ एक छिछली नाली नहीं, बल्कि एक स्थिर जलमार्ग है।

सादगी और जनता से जुड़ाव ही कांग्रेस की परंपरा : प्रियंका गांधी

सोनिया ने किया दिवंगत वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण

» महासचिव बोलीं- वीरभद्र के बाद सुक्खू ने आगे बढ़ाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस शासित राज्यों की अनदेखी कर रही है। हिमाचल प्रदेश में बारिश, भूस्खलन से भारी तबाही हुई है, मुख्यमंत्री सुक्खू लगातार सहायता मांग रहे हैं मगर केंद्र ने कोई मदद नहीं की। उन्होंने कहा कि हमें महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और वीरभद्र सिंह जैसे नेताओं की जरूरत है, जो हमेशा ईमानदारी और सच्चाई के रास्ते पर चलकर लोगों के विकास के लिए समर्पित रहे। प्रियंका ने कहा कि जब वह पिछले चुनावों में प्रचार करने आई थीं, तो लोगों ने उन्हें वीरभद्र सिंह के लोगों से जुड़ाव और उनके सरल व्यवहार के बारे में बताया था।

यह कांग्रेस की परंपरा रही है। उन्हें खुशी है कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया है। सुक्खू भी सरलता व सादगी से हमेशा लोगों की बात सुनते हैं और जनता के बीच जाते हैं। प्रियंका ने कहा कि आज ऐसी राजनीति चाहिए जो देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे। शिक्षा और रोजगार के साथ हर देशवासी को मजबूत करने की जरूरत है। आधुनिक हिमाचल के निर्माता स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण कायक्रम में शामिल होने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और मौजूदा महासचिव प्रियंका गांधी रविवार को शिमला पहुंचीं। सोनिया गांधी ने स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का आनावरण किया। इस दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, रजनी पाटिल, सचिन पायलट, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और अन्य कांग्रेस नेता हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल हुए। प्रदेशभर से लोग इस कार्यक्रम में भाग लेने आए।

भाजपा की राजनीति चुनाव जीतने और अपनी सत्ता के लिए

अफसोस की बात है कि जो सत्ता में केंद्र में हैं, वे ऐसी राजनीति नहीं निभा रहे हैं। इनकी राजनीति सिर्फ चुनाव जीतने और अपनी सत्ता के लिए रहती है। जहां देखते हैं कि कांग्रेस की सरकार है, वहां जनता की जरूरतों को नकारा जाता है। देश को ऐसे नेताओं की जरूरत है, जो पीआर, सोशल मीडिया और इवेंटबाजी से आगे बढ़कर काम करे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी निडर होकर लोगों के मुद्दे उठा रहे हैं। प्रियंका ने सभी से पहाड़ों को बचाने का आह्वान किया।

सादगी का जीवन जीते हुए जनता की सेवा का लें प्रण : प्रतिभा सिंह

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा सभी को सादगी का जीवन जीते हुए जनता की सेवा का प्रण लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए काम करना चाहिए। गांधी परिवार ने वीरभद्र सिंह का सत्कार किया है। सोनिया और प्रियंका गांधी दिल्ली से विशेष तौर पर प्रतिमा के अनावरण के लिए आए हैं। गांधी परिवार ने हमारे जज्बातों का विशेष ध्यान रखा है। पांगी, भरमौर और चंबा जैसे दूरदराज के क्षेत्रों से लोग अपनी श्रद्धांजलि देने के लिए शिमला आए हैं।

सत्ता में आए तो 100 भ्रष्ट नेताओं व अफसरों की छुट्टी तय : पीके

» प्रशांत किशोर बोले- एनडीए सरकार में बिहार में चारों तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को अपने एक बयान में कहा कि अगर बिहार चुनाव में उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह '100 सबसे भ्रष्ट नेताओं और सरकारी अधिकारियों' के खिलाफ कार्रवाई करेंगे और उनकी अवैध कमाई को एक महीने के अंदर ही जब्त कर लिया जाएगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि एनडीए सरकार के समय बिहार में चारों तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि आरजेडी के समय बिहार की स्थिति और भी खराब थी।

किशोर ने कहा कि उन्होंने बिहार को भू-माफिया, रेत खनन माफिया और सभी प्रकार के माफिया से मुक्त करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास को लेकर हमने जनता से 6 वादे किए हैं, जिसमें फर्जी शराबबंदी नीति को खत्म करना भी शामिल है। पार्टी प्रमुख ने कहा कि मुझे यकीन है, भ्रष्ट नेता पूजा-पाठ कर रहे होंगे ताकि हम सत्ता में न आ पाएं। इन भ्रष्ट नेताओं और अफसरों पर मुकदमा चलाया जाएगा और उनकी सारी अवैध कमाई को जब्त करके सरकारी खजाने में जमा किया जाएगा और इसका इस्तेमाल बिहार के विकास के लिए किया जा सकेगा। लैंड फॉर जॉब्स घोटाले के सवाल का जवाब देते हुए प्रशांत ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव पर इसको लेकर आरोप तय होते हैं, तो यह कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि यह मामला पहले से ही गंदे कपड़े पर एक दाग जैसा है। उन्होंने कहा, लेकिन असली खबर एनडीए में फैला भ्रष्टाचार है। किशोर ने सम्राट चौधरी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सात लोगों की हत्या के मामले में आरोपी होने के बावजूद उपमुख्यमंत्री पद का आनंद ले रहे हैं।

मुनीर की तारीफ कर रहे ट्रंप की मोदी से ये कैसी दोस्ती : जयराम

» कांग्रेस ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की प्रशंसा करने पर सरकार पर हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ट्रंप को खुश करने की हताश कोशिशों के बावजूद, अमेरिकी नेता भारत को कैसा संकेत दे रहे हैं। विपक्षी दल ने ट्रंप द्वारा मुनीर की प्रशंसा और दोनों के बीच पिछली मुलाकातों का हवाला देते हुए पूछा कि ट्रंप और मोदी के बीच यह कैसी दोस्ती है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप को अपना अच्छा दोस्त बताते रहते हैं और सच कहें तो अमेरिकी नेता भी मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताते रहते हैं। रमेश ने एक्स पर कहा कि लेकिन यह कैसी दोस्ती है?

राष्ट्रपति ट्रंप ने 18 जून, 2025 को व्हाइट हाउस में फील्ड मार्शल असीम मुनीर के लिए एक अभूतपूर्व लंच की मेज़बानी की। ये वही फील्ड मार्शल थे जिनकी भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से ज़हरीली टिप्पणियों ने 22 अप्रैल, 2025 को पाकिस्तान द्वारा किए गए पहलगाम आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने 1 अक्टूबर, 2025 को व्हाइट हाउस में फील्ड मार्शल से दूसरी बार मुलाकात की, जब फील्ड मार्शल ने राष्ट्रपति ट्रम्प को दुर्लभ मृदा तत्वों से भरा एक बॉक्स भेंट किया। रमेश ने कहा कि कल मिस्र में राष्ट्रपति ट्रंप ने असीम मुनीर को मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शलकहा और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को विशेष स्थान दिया। मोदी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अपनी दोस्ती बढ़ाने की बेताब कोशिशों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप भारत को कैसा संकेत दे रहे हैं? रमेश ने पूछा, यह कैसी दोस्ती है?

एनसीपी एमएलए के बयान पर बवाल

» नाराज हुए अजित पवार, नोटिस की जारी, एनसीपी शरदचंद्र पवार बिफरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख अजित पवार ने पार्टी विधायक संग्राम जगताप के खिलाफ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उनके उस विवादास्पद बयान के बाद जारी किया गया है जिसमें उन्होंने हिंदुओं से केवल हिंदुओं की दुकानों से ही सामान खरीदने को कहा था। पवार ने कहा कि जगताप की टिप्पणी राकांपा की विचारधारा के खिलाफ है और पार्टी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नोटिस पर जगताप के जवाब के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा।

पवार ने कहा कि देखिए, आप किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के सदस्य हों या नेता, अगर आप पार्टी की विचारधारा के खिलाफ बोलना शुरू करते हैं, तो कोई भी पार्टी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। इसलिए नोटिस जारी किया गया है। एनसीपी प्रमुख ने कहा कि यह प्रक्रिया का एक हिस्सा है। नोटिस का जवाब मिलने के बाद, आगे का फैसला लिया जाएगा। अजित पवार ने यह कार्रवाई विधायक जगताप द्वारा हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिए गए कथित बयान के बाद की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिवाली के त्योहार पर हिंदुओं को केवल हिंदुओं की दुकानों से ही सामान खरीदना चाहिए।

राज्य सरकार की चुप्पी ठीक नहीं : शशिकांत शिंदे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक शशिकांत शिंदे ने जगताप की टिप्पणी पर राज्य सरकार की चुप्पी पर कहा कि नेता सत्ता में बने रहने के लिए सांप्रदायिक और जातिगत आधार पर राजनीति करते हैं। शिंदे ने कहा, महाराष्ट्र में सांप्रदायिक और जातिगत राजनीति का चलन नहीं है। सत्ता में बने रहने और लोगों को खुश करने के लिए, वे धर्म और जाति के आधार पर लोगों को बांटते हैं। एक खास समुदाय को निशाना बनाकर माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। सरकार इस बात पर चुप है कि चीज़ें कहां और किससे खरीदें... इसका विरोध होना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम रवाना

» दो बैचों में रवाना होंगे भारतीय खिलाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम रवाना हो चुकी है। टीम इंडिया के कुछ स्टार खिलाड़ी दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। इनमें पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली शामिल हैं। इन दोनों स्टार्स की एक झलक पाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी भीड़ उमड़ी।

रोहित ने एयरपोर्ट पर बस से उतरने के बाद फैन को ऑटोग्राफ भी दिया। वहीं, बस में विराट, रोहित और श्रेयस साथ बैठे नजर आए। हालांकि, ज्यादा खिलाड़ी बस से उतरते नहीं दिखे। जो खिलाड़ी एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए, उनमें रोहित-विराट और श्रेयस के अलावा कप्तान शुभमन गिल, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसाल, हर्षित राणा, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नीतीश रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, भारतीय टीम 15 अक्तूबर को दो बैचों में ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। पहले समूह के खिलाड़ी सुबह की उड़ान से रवाना हुए, जबकि दूसरा समूह शाम को उड़ान भरेगा, जो बिजनेस क्लास टिकट की उपलब्धता और यात्रा व्यवस्था पर निर्भर करेगा। इस सीरीज में कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल को सौंपी गई है। वह टेस्ट के बाद अब वनडे टीम की अगुआई करेंगे। रोहित शर्मा को कप्तानी की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया और वह एक ओपनर के तौर पर खेलेंगे। हालांकि, कोहली और रोहित, दोनों के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने पर संशय है। वनडे सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जोड़ी फिर साथ मैदान पर नजर आएगी। अब दोनों सिर्फ वनडे क्रिकेट में एक्टिव हैं। दोनों की वापसी से भारतीय फैन्स में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

एयरपोर्ट पर नजर आए रोहित शर्मा और विराट कोहली

ऑस्ट्रेलिया को झटका, इंग्लिस और जैम्पा पहले वनडे से बाहर

पर्थ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज शुरू होने में अभी बस कुछ ही दिन बचे हैं। उससे पहले कंगारुओं को दो बड़े झटके लगे हैं। विकेटकीपर जोश इंग्लिस चोट के कारणों से भारत के खिलाफ पहले वनडे में नहीं खेलेंगे। वहीं, स्टार लेग स्पिनर एडम जैम्पा पारिवारिक कारणों से भारत के खिलाफ रविवार को पर्थ में होने वाले पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। अगले दो वनडे मैच एडिलेड (23 अक्तूबर) और सिडनी (25 अक्तूबर) में खेले जाएंगे। इंग्लिस पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जिसके कारण वह इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे। जैम्पा के 23 अक्तूबर को होने वाले दूसरे वनडे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में लौटने की संभावना है।

फिर लापरवाही ने ले ली 21 से अधिक की जान

» पटाखों से आग लगने से जैसलमेर में भीषण बस हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। एकबार फिर प्रशासनिक लापरवाही सामने आई है। राजस्थान के जैसलमेर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर एक चलती एसी स्लीपर बस में भीषण आग लग गई। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्यों समेत 21 यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि 14 से ज्यादा लोग झुलस गए, जिनका जोधपुर में इलाज चल रहा है।

घटना के वक्त बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। हादसा इतना भयानक था कि कई शव बस की बॉडी से चिपक गए, कुछ लोग इस कदर जल गए कि उनकी पहचान तक संभव नहीं रही। इस हादसे में मृतकों के सभी 19 जैसलमेर से शवों को जोधपुर भिजवाया गया है। कलेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान हेतु उनके दो निकटतम परिजनों के छ्ह सैंपल लिए जा रहे हैं। ?

हादसे का शिकार हुई बस केके ट्रैवल्स की थी, जिसे 1 अक्टूबर 2025 को रजिस्टर किया गया था और 9 अक्टूबर को ऑल इंडिया परमिट जारी हुआ था। यह बस मात्र चौथे फेरे पर थी और इतनी जल्दी बस का जलकर खाक हो जाना, कई सवाल खड़े करता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस मॉडिफाइड थी लेकिन उसमें न तो इमरजेंसी एग्जिट गेट था और न ही विंडो तोड़ने के लिए हैमर। इस लापरवाही के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके और बस के अंदर ही फंस गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि कई शव एक-दूसरे के ऊपर चिपके हुए मिले हैं।

एम्बुलेंस भी खटारा, मरीज को लेने के बाद डीजल भरवाने रुकी

जैसलमेर बस हादसे के घायलों को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोधपुर लाया गया, लेकिन परिवहन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। घायल यात्रियों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि एम्बुलेंस की हालत बेहद खराब थी। घायल मगन के परिजन ने बताया कि सेना, प्रशासन और पुलिस ने हरसंभव मदद की, चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात थी, लेकिन एंबुलेंस की हालत देखकर निराशा हुई।

बस के जाम दरवाजे ने ली कई जानें

जैसलमेर बस हादसे में बस का दरवाजा जाम होने के कारण उसमें सवार ज्यादा लोगों की जान गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आग लगने के बाद इस एसी स्लीपर बस का दरवाजा जाम हो गया और यात्री बाहर नहीं निकल पाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बचाव और चिकित्सा सहायता की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की और इस घटना को अत्यंत दुखद बताया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को दोपहर में जोधपुर जा रही एक निजी बस में जैसलमेर से रवाना होने के बमुश्किल दस मिनट बाद आग लग गई। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई और 20 यात्री जिंदा जल गए और 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बस के अंदर कई शव एक-दूसरे के ऊपर गिरे मिले। घायलों में दो बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं। कुछ 70 प्रतिशत तक जले हुए हैं। सभी को पहले जैसलमेर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, फिर जोधपुर रेफर कर दिया गया। जैसलमेर के जिला कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत ने कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही बचाव अभियान तुरंत शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा, सभी 19 शवों को डीएनए आधारित पहचान के लिए जोधपुर भेज दिया गया है।

एक और बाबा यौन शोषण के आरोप में हुआ गिरफ्तार

» पीड़िता ने सुनाई अपनी आप बीती

» महाराष्ट्र के गुरुकुल में नाबालिग की छाती को छुआ, मुक्का मारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक और बाबा यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया। रत्नागिरी जिले के एक गुरुकल के प्रमुख और शिक्षक पर एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। इस खबर के सामने आने के बाद लोग हैरान रह गए। दरअसल, पूरा मामला राज्य के रत्नागिरी जिले के वारकरी गुरुकुल का है। गुरुकुल के प्रमुख भगवान कोकरे महाराज और शिक्षक प्रीतेश प्रभाकर कदम पर एक छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप है। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। बताया जाता है कि महाराष्ट्र के कई हिस्सों के लड़के और लड़कियां इस गुरुकुल में आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस गुरुकुल में दाखिला लेते हैं। पीड़िता भी इस गुरुकुल की छात्रा थी। इसी साल 12 जून को उसने इस गुरुकुल में प्रवेश लिया था। शुरुआत के 10 दिनों तक सब कुछ ठीक रहा, लेकिन उसके बाद कोकरे ने लड़की के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। इस मामले को लेकर पीड़िता का बयान सामने आया है। उसने कहा कि जब भी मैं कमरे में अकेली होती, वह अंदर आता, मुझे घूँसा मारता और मेरी छाती को छूता। इस मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि पीड़िता को शिकायत करने के पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई थी। यही कारण था कि वह खुलकर इस मामले में किसी से अपनी बात नहीं कह पाई।

पीड़िता का कहना है कि प्रितेश प्रभाकर कदम ने मुझे मुंह खोलने से मना किया था और कहा था कि कोकरे के संपर्कों का इस्तेमाल मेरे पिता को फंसाने और मुझे और मेरे भाई को जान से मारने के लिए किया जा सकता है। मुझे बताया गया था कि मेरी पढ़ाई रोक दी जाएगी।

पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज

सोमवार को लड़की ने अपने पिता को पूरी बात बताई। जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। प्रकरण में पुलिस ने बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धारा 12 और 17 के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों को दो दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

सुसाइड नोट पर कार्रवाई न होना साजिश: बादल

अकाली दल के प्रधान बोले- आम आदमी को तुरंत गिरफ्तार कर लेती है पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सेक्टर-24 में परिवार को सांत्वना देने पहुंचे शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने कहा कि सुसाइड नोट में नाम आने पर पुलिस आम आदमी को तुरंत गिरफ्तार कर लेती है जबकि एडीजीपी स्तर के अधिकारी के सुसाइड नोट पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

एक आईएएस परिवार के साथ धक्का हो रहा है। वरिष्ठ आईपीएस को मानसिक प्रताड़ित किया गया है। जूनियर अफसर उन्हें तंग कर रहा था। पूरण की पत्नी आईएएस अमनीत पी कुमार पंजाब की बेटी हैं। इस मामले में बड़ी साजिश नजर आ रही है। डीजीपी को लेकर अभी तक एक्शन नहीं हुआ, वहीं सुसाइड नोट के आधार पर कार्रवाई नहीं होना भी साजिश है।

एएसआई सुसाइड मामले में तनाव, पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को मनाने की तैयारी

पूर्व एडीजीपी वाई पूरण कुमार पर वायरल वीडियो व पांच पेज के सुसाइड नोट में भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर आत्महत्या करने वाले रोहतक की साइबर सेल के एएसआई संदीप लाठर का शव उसके मामा के गांव लाढ़ोत में रखा हुआ है। मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है और FIR दर्ज करने और आरोपी अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के OSD गांव पहुंचे। वे परिजनों से मांग पत्र लेकर दिल्ली भेजेंगे ताकि पोस्टमार्टम के लिए उन्हें मनाया जा सके। इसी बीच, विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी शाम 4 बजे लाढ़ौत गांव पहुंच रहे हैं, जहां वे संदीप के परिवार से मिलेंगे और न्याय की मांग को समर्थन देंगे।

जम्मू-कश्मीर और झारखंड समेत 4 राज्यों के विस उपचुनावों के लिए बीजेपी ने घोषित किए उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी ने विधानसभा उपचुनावों के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। जम्मू-कश्मीर की बडगाम सीट से आगा सैयद मोहसिन को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि नगरोटा विधानसभा सीट से देवयानी राणा को उम्मीदवार बनाया गया है। झारखंड की घाटशिला (अनुसूचित जनजाति) सीट से बाबूलाल सोरेन को टिकट मिला है।

बाबूलाल सोरेन भाजपा विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे हैं। चंपई सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़कर भाजपा में आए थे। ओडिशा की नुआपाड़ा सीट से जय ढोलकिया को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट से लंकाला दीपक रेड्डी को प्रत्याशी बनाया गया है। जम्मू कश्मीर, ओडिशा, झारखंड, मिजोरम, पंजाब, तेलंगाना और राजस्थान के आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन क्रैकर्स की इजाजत दी

» दिल्ली-एनसीआर में अब जल सकेंगे पटाखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के त्योहार के लिए अस्थायी उपाय के तौर पर केवल 18-21 अक्टूबर तक हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति दी। यह अनुमति सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और फिर रात 8 बजे से 10 बजे के बीच दी गई है।

आदेश की घोषणा करते हुए, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने 14 अक्टूबर, 2024 के उस आदेश का हवाला दिया, जब दिल्ली सरकार ने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था, जिसे बाद में पूरे एनसीआर में लागू कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा, पर्यावरण से समझौता किए बिना संयमित रूप से अनुमति देनी होगी। एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, न्यायालय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से समझौता किए बिना हरित पटाखों के सीमित उपयोग की अनुमति होगी। न्यायालय ने पुलिस अधिकारियों को गश्ती दल बनाने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल क्यूआर कोड वाले अनुमोदित पटाखे ही बेचे जाएँ।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।